



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

त्र. 35]

नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 22, 1991/माघ 2, 1912

No. 35]

NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 22, 1991/MAGHA 2, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

बल-भूतल परिवहन संचालन

(पत्तन संक्षेप)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1991

सा. का. नि. 43 (प्र) :—केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15)  
की धारा 33 की उपधारा (1) और धारा 34 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के

नौवहन और परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना में, सा. का. नि. 798 (ग्र) तारीख 30 नवम्बर, 1984 का निम्नलिखित और संगोष्ठन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में,—

(1) अनुसूची के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची रखी जाएगी, अर्थात्:—

### प्रत्युत्तरी

(15 टन, या उससे अधिक के समुद्रगामी जलयान)	प्रभार्य जलयान प्रति एन. आर. टी. पत्तन फोस की दर	एक जो जलयान की मात्रता संदीय की आवृत्ति
---	--	---

1	2	3	4	5
विदेशी	तटीय	विदेशी जलयान	तटीय जलयान	
पोत	2. 40	1. 70 प्रत्येक प्रवेश	तीस दिन में एक बार	
स्टीमर	3. 60	2. 80 प्रत्येक प्रवेश	तीस दिन में एक बार	
टग्स, लंबा, बार्ड आदि जो ऊपर सम्मिलित नहीं हैं।	1. 00	— प्रत्येक प्रवेश	तीस दिन में एक बार	

2. अवधाद (घ) में, “अन्यथा वसूल किए जाने वाले पत्तन शुल्क के आधे से अधिक नहीं होगी” शब्दों के स्थान पर, अनुसूचित दरों की 50 प्रतिशत होगे, शब्द रखे जाएंगे।

3. अवधाद (ग) के परवात् निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात्:—

(घ) ऐसे जलयानों को, जो पत्तन के बाह्य लहारगाह पर प्राप्त हैं और कर्मदल ले जाने, भंडार और जल प्राप्त करने के प्रयोजन के लिए पत्तन की सीमाओं के भीतर या बाहर लंकार ढालते हैं, तथा किसी स्थोदा या याक्री को उतारे या चढ़ाए बिना उसे छोड़ देते हैं, अनुसूचित दरों के 25 प्रतिशत पर पत्तन फीस से प्रभारित किया जाएगा।

टिप्पणी:—यह अधिसूचना, राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 60 दिन की समाप्ति के अगले दिन से प्रवृत्त होगी।

[फा. मं. पी. आर.-14012/19/90—पी. जी.]

प्रशोक जोशी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पणी:—मूल अधिनियम सा. का. नि. मं. 798(ग्र), तारीख 30 नवम्बर, 1984 वाला प्रकाशित हुआ था।

## MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd January 1991

G.S.R. 43 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 33 and section 34 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) the Central Government hereby makes the following amendments further to amend the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport No. GSR No. 798 (E) dated 30th November, 1984, namely:—

In the said notification

(1) for the schedule, the following schedule shall be substituted namely:-

## SCHEUDLE

Vessels chargeable (sea going vessels of 15 tons and above)	Rate of Port dues per NRT		Frequency of payment in respect of the same vessel	
1	2	3	4	5
	Foreign	Coastal	Foreign vessel	Coastal vessels
Ship	2.40	1.70	each entry	Once in thirty days
Steamers	3.60	2.80	each entry	Once in thirty days
Tugs, launches, barges, etc, not included above	1.00	...	each entry	Once in thirty days

(2) In Exceptions (b) for the words at a rate not exceeding half of the rate with which one would otherwise be chargeable" the figure and words "50 % of the Scheduled rates" shall be substituted.

(3) after Exception(c) the following shall be added namely:-

(d) Vessels which call at the outer Anchorage of the Port and anchors within or beyond the port limits for the purpose of charging crew, receiving

---

stores and water, and without discharging or loading any cargo or passenger, shall be charged with port dues at 25% of the Scheduled rates".

Note:- It shall come into force with effect from the day following the expiry of 60 days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[File No. PR-14012/19/90-PG]  
ASHOKE JOSHI, Lt. Secy.

Foot Note: Principal Notification was published vide GSR No. 798(E) dated 30 November, 1984.